नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 023
दि. 26.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

एलआईसी ने अडाणी ग्रुप में लगाए 33,000 करोड़ रुपए, अमेरिकी अखबार रिपोर्ट से केंद्र सरकार पर उठे गंभीर सवाल, कांग्रेस ने उठाई संसद में जांच की मांग

(जीएनएस)। नई दिल्ली। अडाणी समूह के खिलाफ लगातार उठ रहे भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के अडाणी ग्रुप में लगभग 33,000 करोड़ रुपए के निवेश ने देश की राजनीतिक और वित्तीय दुनिया में नई हलचल मचा दी है। अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि अडाणी समूह के भारी कर्ज और घूसखोरी के आरोपों के बावजूद, केंद्र सरकार और LIC ने इस समूह में निवेश किया। इस खुलासे के बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर तीखा हमला किया और इसे आम जनता की मेहनत की कमाई का दुरुपयोग करार दिया।

कांग्रेस ने कहा कि LIC ने मई 2025 में अडाणी ग्रुप में यह निवेश किया, और इसका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ समूह को फायदा पहुंचाना था। पार्टी ने इस मामले में पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (PAC) से जांच की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सोशल मीडिया पर वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि इस निवेश की समयावधि चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार, अडाणी समूह उस समय वित्तीय संकट में था और अमेरिका में घूसखोरी के आरोपों का सामना कर रहा था।

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद LIC ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने कहा कि वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट पूरी तरह गलत और भ्रामक है। LIC ने स्पष्ट किया कि उसके सारे निवेश पूरी ईमानदारी और सावधानीपूर्वक जांच के बाद किए जाते हैं। कंपनी ने कहा कि रिपोर्ट में जिस भी डॉक्यूमेंट या योजना का जिक्र है, वह कभी LIC ने तैयार नहीं की और न ही उसके अडाणी समूह में निवेश से संबंधित है। LIC ने कहा कि

यह रिपोर्ट उनकी मजबूत और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने, कंपनी की छवि को धूमिल करने और भारत के वित्तीय क्षेत्र की मजबूती को कमजोर करने के उद्देश्य से जारी की गई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने इसे बड़े घोटाले के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह को सरकारी एजेंसियों, संपत्तियों और विदेशी सौदों के जरिए अनुचित लाभ पहुंचाया गया। जयराम रमेश ने पांच बड़े आरोप उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर प्रवर्तन निदेशालय (ED), CBI और इनकम टैक्स विभाग जैसी संस्थाओं को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया ताकि अन्य निजी कंपनियों को अपनी संपत्ति सस्ते दामों पर अडाणी समूह को बेचने पर मजबूर किया जा सके। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हवाई अड्डे, बंदरगाह जैसी महत्वपूर्ण संपत्तियों का गलत निजीकरण करके केवल अडाणी समूह को लाभ पहुंचाया गया।

इसके अलावा, जयराम रमेश ने कहा कि भारत की कूटनीति का भी दुरुपयोग करके पड़ोसी देशों में अडाणी समूह को बड़े कॉन्ट्रैक्ट दिलवाए गए। उन्होंने कहा कि शेल कंपनियों के जरिए महंगे कोयले का आयात कर मनी लॉन्ड्रिंग का जाल बनाया गया और इससे गुजरात के अडाणी पावर प्लांट में बिजली की कीमतें बढ़ गईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में चुनाव से पहले अडाणी समूह को ऊंची कीमतों पर बिजली सप्लाई के कॉन्ट्रैक्ट दिए गए और बिहार में चुनाव से पहले पावर प्लांट के लिए जमीन मात्र 1 रुपए प्रति एकड़ में आवंटित कर दी गई।

राजनीतिक और वित्तीय विश्लेषकों का कहना है कि LIC का यह निवेश और अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट दोनों मिलकर मोदी सरकार और अडाणी समूह की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौती दे रहे हैं। विपक्षी दल संसद और सार्वजनिक मंचों पर इस मामले की सख्त जांच की मांग कर रहे हैं और इसे वित्तीय पारदर्शिता, सरकारी जिम्मेदारी और आम निवेशकों के हितों से जोड़कर देख रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद ने भारतीय वित्तीय क्षेत्र, सार्वजनिक निवेशकों की सुरक्षा और बड़े कॉर्पोरेट समूहों के प्रति सरकारी भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि केंद्र सरकार और LIC इस विवाद का जवाब कैसे देते हैं और क्या संसद में उठाई गई जांच की मांग पर वास्तविक कार्रवाई होती है या यह केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रह जाती है।

इस मामले ने न केवल वित्तीय क्षेत्र और बड़ी कंपनियों के बीच संबंधों पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि यह भी दिखा दिया है कि बड़े निवेशों और सरकारी नीतियों में पारदर्शिता और जवाबदेही कितनी अहम है। इस विवाद का असर आने वाले महीनों में राजनीतिक माहौल और निवेशकों के भरोसे पर भी देखा जाएगा।

देश के कई राज्यों में चक्रवाती तूफान की चेतावनी, तीन दिन तक मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं का खतरा

(जीएनएस)। नई दिल्ली। महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह सहित देश के कई राज्यों में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने रविवार को भी इन राज्यों में झमाझम बारिश और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही अगले तीन दिनों तक भारी बारिश और चक्रवाती तूफान के असर से कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 28 से 30 अक्टूबर के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और सिक्किम में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, 29 और 30 अक्टूबर को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान तेज हवाओं के चलते कई इलाकों में पेड़ गिरने और बिजली कटौती जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

विशेष रूप से, दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जो पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ रहा है। इस प्रणाली के 27 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके असर से सोमवार से तीन दिन तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने शनिवार और रविवार को 21 जिलों में और सोमवार को पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने चेताया है कि पश्चिम बंगाल के जिलों—उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, झारग्राम और हावड़ा—में 28 से 30 अक्टूबर के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को कोलकाता और आसपास के हुगली जिले में बिजली कड़कने के साथ तूफान आने की आशंका जताई गई है। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिलों में भी 29 और 30 अक्टूबर के बीच तेज बारिश की संभावना है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भी 28 अक्टूबर तक अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। विशेषकर कडलूर, पुडुचेरी, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। चेन्नई और आसपास के जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे कुछ समय के लिए मौसम ठंडा और गीला रहेगा।

उत्तर भारत में भी मौसम ठंडा होने लगा है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड महसूस की जा रही है। अगले चार-पांच दिनों तक नॉर्थवेस्ट इंडिया में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों में मिनिमम टेम्परेचर 2-3 डिग्री तक गिरने की संभावना है, जिससे ठंड बढ़ने की आशंका है।

मौसम विभाग ने नागरिकों को सुरक्षित रहने, घरों के आसपास लटके पेड़ों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहने और तूफान व बारिश के दौरान यात्रा से बचने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवाती तूफान और लगातार बारिश के कारण आने वाले दिनों में कई इलाकों में जलभराव और जनजीवन पर असर पड़ सकता है, इसलिए स्थानीय प्रशासन की ओर से जारी चेतावनियों का पालन करना बेहद आवश्यक है।

पाकिस्तान ने गुजरात-राजस्थान बॉर्डर के एयरस्पेस को 2 दिन के लिए बंद किया, उड़ानों पर रोक लागू

(जीएनएस)। नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' के चलते अपने मध्य और दक्षिणी एयरस्पेस को 28 और 29 अक्टूबर को बंद करने का ऐलान किया है। यह बंदिश मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात से सटे इलाकों में लागू होगी। शनिवार को जारी NOTAM (Notice to Airmen) के अनुसार, इन दो दिनों में इस क्षेत्र में हवाई मार्ग पूरी तरह बंद रहेंगे और उड़ानों का संचालन रोक दिया गया है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस कदम के पीछे कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यह कार्रवाई संभावित सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण से जुड़ी हो सकती है। वहीं, भारत के सैन्य जानकार इसे अभ्यास 'त्रिशूल' के समय पर पाकिस्तान की तैयारी के तौर पर देख रहे हैं। इस अभ्यास का आयोजन सर क्रीक के पास, यानी पाकिस्तान की सीमा के नजदीकी इलाकों में होगा।

विश्लेषक डेमियन सायमोन ने

सैटेलाइट इमेज के हवाले से बताया कि इस अभ्यास का दायरा लगभग 28 हजार फीट ऊँचाई तक फैला हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में होने वाले सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक माना जा रहा है।

सैन्य अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान द्वारा एयरस्पेस बंद करने का निर्णय अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्ग संचालन पर अस्थायी प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर उन उड़ानों पर जो राजस्थान और गुजरात के सटे एयरस्पेस से गुजरती हैं। भारतीय वायुसेना और नागरिक विमानन विभाग (DGCA) ने भी इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को वैकल्पिक मार्ग तय करने और समय पर बदलाव के लिए निर्देश जारी किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यह कार्रवाई दोनों देशों के सैन्य संतुलन और तनावपूर्ण सीमा क्षेत्रों पर निगरानी का हिस्सा है। इसके अलावा, यह संकेत भी माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच होने वाले सैन्य अभ्यासों के समय सावधानीपूर्वक एयरस्पेस प्रबंधन और हवाई सुरक्षा उपाय बनाए जा रहे हैं। इस फैसले से स्थानीय एयरलाइंस और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन भारतीय नागरिक और रक्षा विमानन अधिकारियों ने कहा है कि वैकल्पिक मार्ग और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए गए हैं। अगले दो दिनों में एयरस्पेस खोलने के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी, लेकिन यह घटना सीमा क्षेत्रों में तनाव और सैन्य गतिविधियों पर लोगों की निगाहें बनाए रखने का अवसर भी पेश करती है।

चीन के जिलिन प्रांत में भूकंप के झटके, नॉर्थ कोरिया बॉर्डर के पास धरती हिली, सुनामी का खतरा नहीं

(जीएनएस)। बीजिंग। चीन के जिलिन प्रांत में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय लोगों में भय और चिंताएं बढ़ गईं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र हुनचुन शहर के पास था और यह लगभग 560 किलोमीटर (348 मील) की गहराई पर आया। जिलिन प्रांत का यह क्षेत्र नॉर्थ कोरिया की सीमा के पास स्थित है, जिससे भूकंप के झटके सीमावर्ती क्षेत्रों तक भी महसूस किए गए।

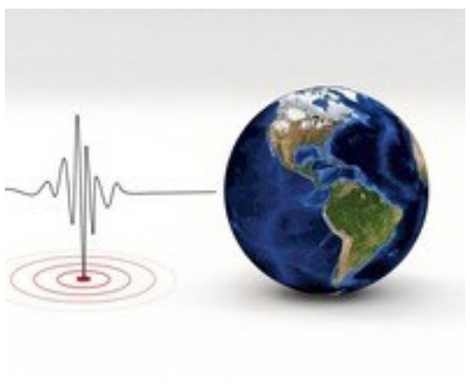

स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने कहा कि भूकंप से अब तक किसी प्रकार के हताहत या बड़े नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली है। साथ ही अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इलाके में राहत और बचाव दलों को सतर्कता के लिए तैयार रखा गया है और जनता से सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

इससे पहले, शनिवार को ही जापान के उत्तरी होक्काइडो क्षेत्र में भी भूकंप आया था। जापान मौसम एजेंसी के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 रही और भूकंप का केंद्र नेमुरो पेनिनसुला के दक्षिण-पूर्व में लगभग 40 किलोमीटर की गहराई पर था। जापान में भी अधिकारियों ने सुनामी का खतरा नहीं बताया और अब तक किसी बड़ी क्षति या हताहत की जानकारी नहीं मिली है।

भूकंप वैज्ञानिकों और भूगर्भीय विशेषज्ञों के अनुसार, यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से सक्रिय है, और कभी-कभी गहरे भूगर्भीय झटके महसूस होते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रिक्टर स्केल पर 5 से 6 तीव्रता के भूकंप आम तौर पर बड़े नुकसान का कारण नहीं बनते, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन सतर्क रहता है और नागरिकों को सुरक्षित रहने की सलाह दी जाती है।

चीन और जापान में आए इन भूकंपों ने फिर से इस बात को याद दिलाया है कि पूर्वी एशिया का यह क्षेत्र भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। दोनों देशों में सरकारी एजेंसियां लगातार भूकंप की निगरानी कर रही हैं और आने वाले समय में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों को मजबूत कर रही हैं।

सीबीएसई ने घोषित की CTET 2025 परीक्षा की तारीख, 132 शहरों में होगी आयोजन, 20 भाषाओं में परीक्षा

(जीएनएस)। नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (CTET) 2025 के आयोजन की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इस बार परीक्षा 08 फरवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी और यह 132 शहरों में आयोजित की जाएगी। यह

CTET का 21वां संस्करण होगा, जिसे देश भर के उम्मीदवार बड़ी संख्या में देते आए हैं। सीबीएसई ने आधिकारिक अधिसूचना में बताया है कि उम्मीदवार जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट ctet.nic.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। बोर्ड ने यह भी कहा कि परीक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम, पात्रता, परीक्षा शुल्क और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी जल्द ही वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इसलिए सभी इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी अपडेट करते रहें।

इस बार CTET परीक्षा दो पेपरों – पेपर-I और पेपर-II में आयोजित की जाएगी। उम्मीदवार अपनी सुविधा और योग्यता के अनुसार इनमें से किसी एक या दोनों में शामिल हो सकते हैं। पेपर-I उन उम्मीदवारों के लिए है जो प्राथमिक कक्षा (कक्षा 1 से 5) में शिक्षक बनने के इच्छुक हैं, जबकि पेपर-II उन उम्मीदवारों के लिए है जो माध्यमिक कक्षा (कक्षा 6 से 8) में शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे हैं।

विशेष रूप से इस बार परीक्षा 20 भाषाओं में आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य देश भर के उम्मीदवारों के लिए इसे सुलभ और आसान बनाना है। सीबीएसई ने कहा कि परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को आधिकारिक पाठ्यक्रम और मार्गदर्शन के अनुसार ही तैयारी करने पर ध्यान देना चाहिए।

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, CTET परीक्षा में उत्तीर्ण होना शिक्षकों के लिए अनिवार्य योग्यता मानी जाती है और यह उनके करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर कहा जा सकता है कि परीक्षा के दिन शहरों में कड़ी निगरानी और सुरक्षा के साथ संचालन होगा। उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहुँचने और सभी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

इस घोषणा के बाद छात्रों और अभ्यर्थियों में उत्साह है और वे परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं। CTET 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही उम्मीदवारों की तैयारियों में और तेजी आएगी, जिससे यह वर्ष शिक्षक भर्ती और शिक्षा क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

संपादकीय

अमेरिका-रूस में संतुलन साधने की चुनौती

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वार्ताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप, दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव में उलटफेर ने भाजपा की मजबूती और विपक्ष की कमजोरी उजागर कर दी

> मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे "फिक्स मैच" बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया।

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में शुक्रवार को उस समय हलचल मच गई जब राज्यसभा चुनाव में अप्रत्याशित परिणाम सामने आए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी अपेक्षा से अधिक समर्थन पाकर एक सीट जीत ली, जबकि INDIA गठबंधन (राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी) ने शेष तीन सीटें अपने नाम कीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार को हराया, जबकि भाजपा के पास महज 28 विधायक हैं लेकिन सत शर्मा को 32 वोट मिले। चार अतिरिक्त वोट कहां से आए, यह अब सबसे बड़ा राजनीतिक सवाल है।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि चार विधायकों ने जानबूझकर गलत प्राथमिकता क्रम अंकित कर अपने वोट अमान्य किए और भाजपा की मदद की। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने इसे "फिक्स मैच" बताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा की मिलीभगत करार दिया। यह चुनाव इसलिए भी खास था क्योंकि एक दशक से अधिक समय बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा चुनाव हुआ है। 88 में से 86 विधायकों ने मतदान किया, जिसमें एक वोट डाक से डाला गया। एनसी के उम्मीदवार चौधरी मोहम्मद रमजान और साजिद किचलू पहली दो सीटों पर आसानी से विजयी रहे, जबकि तीसरी सीट पर पार्टी को कांग्रेस और पीडीपी का समर्थन मिला। कांग्रेस इस बार पहली बार राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं उतार सकी,

क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उसे केवल चौथी "असुरक्षित" सीट देने का प्रस्ताव दिया था। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए विपक्षी खेमे में सेंधमारी की और अंततः अपने प्रदेश अध्यक्ष सत शर्मा को जिताने में सफल रही।

सबसे बड़ी बहस इस बात पर है कि वह चार विधायक कौन थे जिन्होंने विपक्ष को समर्थन का वादा करने के बावजूद भाजपा के पक्ष में वोट दिया या अपने मत जानबूझकर अमान्य किए। चूंकि राज्यसभा चुनाव में मतदान गोपनीय नहीं होता, फिर भी निर्दलीय विधायकों को अपने मत पत्र दिखाने की बाध्यता नहीं है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह परिणाम विपक्षी एकता के भीतर विश्वास के संकट की ओर संकेत करता है। INDIA गठबंधन की कथित मजबूती अब प्रश्नों के घेरे में है। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां क्षेत्रीय दलों की राजनीति पहचान और अस्मिता के सवालों से जुड़ी होती है, ऐसे परिणाम गठबंधन की नैतिक साख पर असर डाल सकते हैं।

देखा जाये तो नेशनल कॉन्फ्रेंस को इस परिणाम के बाद आत्ममंथन करना होगा। उसने कांग्रेस और पीडीपी के साथ मिलकर तीन सीटें तो जीत लीं, लेकिन चौथी सीट पर पराजय से यह स्पष्ट है कि उसकी पकड़ पूरी तरह मजबूत नहीं रही। "असुरक्षित सीट" पर हार ने यह भी दिखाया कि एनसी को अपने सहयोगियों पर भरोसा नहीं था और शायद यही रणनीतिक गलती भारी पड़ी।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा का यह परिणाम राजनीतिक पुनर्स्थापन के संकेत देता है। 2019 के बाद से जबसे अनुच्छेद 370 हटाया गया, भाजपा को स्थानीय राजनीति में "बाहरी दल" की तरह दिखाने का अभियान विरोधी दलों की ओर से चलाया गया। लेकिन इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग के सहारे सीट जीतकर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि वह अब भी क्षेत्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखती है।

यह परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी INDIA गठबंधन के लिए झटका है। यह दिखाता है कि विपक्ष की एकता केवल औपचारिक है; जमीनी स्तर पर मतभेद और स्वार्थ राजनीति पर हावी हैं। कांग्रेस की भूमिका विशेष रूप से कमजोर दिखी क्योंकि वह न तो अपने राज्य इकाई की बात मनवा सकी, न ही चौथी सीट पर जोखिम लेने का साहस दिखा सकी। साथ ही सज्जाद लोन की "फिक्स मैच" वाली टिप्पणी केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि स्थानीय राजनीति में अविश्वास के बढ़ते माहौल का संकेत है। जब जनता यह देखती है कि विधायकों की निष्ठा किस दिशा में झुकती है, तो लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर पड़ता है।

बहरहाल, राज्यसभा चुनाव का यह परिणाम केवल एक संसदीय उपलब्धि नहीं बल्कि जम्मू-कश्मीर की राजनीति में विश्वास, गठबंधन और वैचारिक प्रतिबद्धता के नए परीक्षण का प्रतीक है। भाजपा ने दिखा दिया कि वह अभी भी अप्रत्याशित समीकरण बनाकर खेल पलट सकती है। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस और उसके सहयोगियों को यह समझना होगा कि केवल भाजपा-विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है।

प्रेरणा

कर्म और आयु : पुनर्वसु आत्रेय और उनके शिष्यों का गहन संवाद

प्राचीन भारत के उस काल में जब ज्ञान और साधना जीवन की नींव थी, ऋषि पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्यों के साथ यात्रा पर थे। पवित्र वनमार्ग पर चलते हुए, चारों ओर हरियाली फैली थी, हवा में फूलों की खुशबू और पक्षियों की मधुर आवाजें घुली हुई थीं। उनके साथ चल रहे शिष्य अग्निवेश, जिनमें तर्क और जिज्ञासा की अद्भुत शक्ति थी, मन में उठ रहे प्रश्नों को सहन नहीं कर पाए। उन्होंने गुरु से पूछा, "गुरुदेव! संसार में सभी प्राणियों की आयु भिन्न क्यों होती है? कुछ लंबा जीवन पाते हैं, कुछ अल्प; कुछ सुखमय जीवन व्यतीत करते हैं, तो कुछ दुःख में। इसका कारण क्या है? क्या यह केवल भाग्य का खेल है या हमारे कर्म का परिणाम भी इसमें शामिल है?"

गुरु आत्रेय मुस्कुराए और धीरे-धीरे बोले, "वत्स, तुम्हारा प्रश्न जीवन के गहनतम रहस्य से जुड़ा है। यह संसार कर्म, पुरुषकार और दैव के समन्वय से चलता है। प्राणी की आयु केवल भाग्य या कर्म से ही निर्धारित नहीं होती। यह दोनों का संगम है। आयु, सुख, दुःख, दीर्घता या अल्पता — यह सब उस संतुलन पर निर्भर करता है जो दैव और पुरुषकार के बीच होता है। यदि दोनों श्रेष्ठ हों, तो जीवन दीर्घ, सुखमय और स्थिर होता है। यदि दोनों दुर्बल हों, तो जीवन क्षीण, अस्थिर और दुःखमय बन जाता है।"

अग्निवेश ने उत्सुकतापूर्वक पूछा, "गुरुदेव, क्या पुरुषकार दुर्बल दैव को पराजित कर सकता है? यदि भाग्य प्रतिकूल हो तो क्या प्रयास से उसे बदला जा सकता है?"

आत्रेय ने गंभीरता से उत्तर दिया, "वत्स, यह संभव है। जब पुरुषकार बलवान और दृढ़ होता है, वह दुर्बल दैव

को बदल सकता है। मनुष्य का सतत प्रयास, संयम, तपस्या और सच्चा कर्म उसकी आयु और भाग्य को परिवर्तित कर सकता है। परंतु जब पुरुषकार दुर्बल हो और दैव प्रबल, तब केवल भाग्य ही परिणाम तय करता है। यही कारण है कि ज्ञानीजन केवल भाग्य या केवल कर्म पर भरोसा नहीं करते, वे दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। दैव और पुरुषकार ही जीवन के रथ के दो पहिए हैं। एक भी कमजोर हो तो रथ आगे नहीं बढ़ता।"

आत्रेय ने अपने शिष्यों को समझाया कि दैव वह है जो अतीत के कर्मों का फल है, और पुरुषकार वह है जो वर्तमान में किया जा रहा प्रयास है। वर्तमान कर्म ही भविष्य का दैव बनाता है। "इस संसार में कोई नियत आयु नहीं है, वत्स। जो अपने कर्मों में दृढ़ है, वह आयु को लंबा और सार्थक बना सकता है। जो जीवन को संयम, शुद्धता और साधना में बिताता है, उसका शरीर और आत्मा दीर्घायु होती है। वही व्यक्ति अपने कर्म से मृत्यु के भय को भी परास्त कर सकता है। यही कारण है कि आयु केवल वर्षों की संख्या नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता से मापी जाती है।"

अग्निवेश की आँखों में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित हुई। उन्होंने कहा, "गुरुदेव, अब मैं समझ गया कि भाग्य केवल हमारी पूर्वकर्मों का परिणाम है, और कर्म वही है जो हमें वर्तमान में दिशा देता है। जब हम अपने कर्मों को शुद्ध और धर्मपरायण रखते हैं, तब हमारा भाग्य भी हमारे अनुकूल बन जाता है।"

आत्रेय ने शांति से उत्तर दिया, "बताया वत्स, यही जीवन का रहस्य है। मनुष्य केवल जीवित नहीं रहता, वह अपने पुरुषकार और दैव के संतुलन से जीवन को पूर्ण बनाता है। यदि वह अपने भीतर की दिव्यता को समझ लेता है, तो उसकी आयु काल और मृत्यु से परे जीवित रहती है। कर्म की शक्ति ही असली अमरत्व है। जो व्यक्ति अपने आहार, विचार और आचरण में संयम रखता है, वही सच्ची दीर्घायु को प्राप्त करता है।"

सूर्य धीरे-धीरे अस्ताचल की ओर झुक रहा था, वृक्षों की छायाएँ लंबी हो गई थीं। गुरु और शिष्य मौन थे, केवल हवाओं की सरसराहट और दूर से आती पक्षियों की चहचहाहट उस दिव्य संवाद की प्रतिध्वनि कर रही थी। अग्निवेश ने गुरु के चरण स्पर्श किए और कहा, "गुरुदेव, अब मैं जान गया कि आयु का वास्तविक आधार केवल भाग्य नहीं, बल्कि कर्म और पुरुषकार है। यही जीवन का सत्य और दीर्घायु का रहस्य है।"

आत्रेय ने सिर हिलाते हुए कहा, "वास्तव में, वत्स, जीवन का सार यही है। कर्म और पुरुषकार ही जीवन की दिशा और आयु निर्धारित करते हैं। जो व्यक्ति इस ज्ञान को आत्मसात कर लेता है, वह केवल जीवित नहीं रहता, वह अपने कर्मों के माध्यम से अमर हो जाता है। यही वह मार्ग है जो हर जीव को समझना चाहिए, और यही वह विज्ञान है जो जीवन और आयु का रहस्य उद्घाटित करता है।"

इस प्रकार, पुनर्वसु आत्रेय और उनके शिष्यों का यह संवाद न केवल आयु और कर्म की गूढ़ समझ देता है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षण को सार्थक बनाने की प्रेरणा भी देता है। यह कहानी यह सिखाती है कि भाग्य केवल परिणाम है, लेकिन कर्म वह साधन है जिससे व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक दिशा तय करता है।

Trump के एशिया दौरे पर भारत क्यों रखे हुए है नजर? क्या World Politics के समीकरण बदलने वाले हैं?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगामी एशिया यात्रा केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं है; यह वैश्विक शक्ति-संतुलन, व्यापार व्यवस्था और रणनीतिक गठबंधनों के पुनर्संयोजन की एक निर्णायक प्रक्रिया का संकेत देती है। यह दौरा मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। यह तीन ऐसे देश हैं जो न केवल एशिया की आर्थिक धुरी हैं बल्कि अमेरिका की "इंडो-पैसिफिक" नीति के केंद्रीय स्तंभ भी हैं।

हम आपको बता दें कि ट्रंप का पहला पड़ाव मलेशिया होगा, जहाँ वह आसियान (ASEAN) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। 2017 के बाद यह उनका पहला प्रत्यक्ष सहभाग होगा। वह न केवल व्यापारिक वार्ताओं में भाग लेंगे, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया की नाजुक शांति प्रक्रिया में भी भूमिका निभाएंगे— विशेषकर थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद के समाधान में।

यह संकेत है कि अमेरिका पुनः इस क्षेत्र में "सुरक्षा साझेदार" के रूप में अपनी भूमिका को पुनर्स्थापित करना चाहता है। चीन के बढ़ते प्रभाव, विशेषकर दक्षिण चीन सागर में, ने वॉशिंगटन को यह महसूस कराया है कि यदि वह एशिया में प्रभाव बनाए रखना चाहता है, तो उसे केवल आर्थिक नहीं, बल्कि कूटनीतिक और सुरक्षा स्तर पर भी सक्रिय होना पड़ेगा।

मलेशिया के साथ ट्रंप की द्विपक्षीय वार्ता का केंद्र सेमीकंडक्टर, व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डिजिटल ऊर्जा सहयोग पर रहेगा। यह इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब "नवऔद्योगिक तकनीक" को अपने रणनीतिक प्रभाव का नया माध्यम बनाना चाहता है। यह भी गौरतलब है कि ट्रंप के आने से पहले चीन के उप-प्रधानमंत्री हे लीफेंग और अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट के बीच भी मलेशिया में वार्ता तय है जो बताती है कि इस यात्रा के पीछे आर्थिक टकराव को शांत करने का गहरा प्रयास छिपा है।

ट्रंप का दूसरा पड़ाव टोक्यो है, जहाँ ट्रंप जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मिलेंगे। हम आपको बता दें कि अमेरिका-जापान संबंध परंपरागत रूप से स्थिर माने जाते हैं, पर हाल के वर्षों में "टैरिफ संतुलन" और "ऊर्जा नीति" को लेकर मतभेद बढ़े हैं। ट्रंप प्रशासन जापान से 550 अरब डॉलर के निवेश की अपेक्षा कर रहा है, जिसे जापान "अवास्तविक" बता चुका है। वहीं, जापान के लिए चुनौती यह है कि अमेरिका ने अब भी ऑटोमोबाइल और इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ऊँचे आयात शुल्क लगाए हुए हैं। इसके साथ ही अमेरिका ने जापान पर रूस से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) खरीद घटाने का भी दबाव डाला है।

यहाँ ट्रंप की रणनीति दोहरी है— एक ओर वह जापान से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश की अपेक्षा रखते हैं, दूसरी ओर, वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि जापान की ऊर्जा निर्भरता रूस पर न रहे। यह नीति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक भी है, क्योंकि अमेरिका चाहता है कि उसके एशियाई सहयोगी रूस और चीन दोनों से दूरी बनाए रखें।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की यात्रा का चरम बिंदु दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू शहर में होगा, जहाँ वह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बहुप्रतीक्षित मुलाकात करेंगे। यह बैठक वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव, दुर्लभ खनिजों (rare earths) पर निर्यात नियंत्रण और फेंटानिल (एक खतरनाक मादक पदार्थ) की तस्करी पर रोक जैसे मुद्दे एजेंडा में हैं। हाल के महीनों में बीजिंग ने रणनीतिक धातुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर अमेरिकी रक्षा उद्योग काफी हद तक निर्भर है। ट्रंप चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच "सब कुछ पर एक समझौता" हो जाए— यह बयान जितना महत्वाकांक्षी है, उतना ही कठिन भी।

सियोल के साथ भी ट्रंप एक महत्वपूर्ण निवेश समझौता अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे। हालांकि, हाल ही में अमेरिकी एजेंसियों द्वारा जॉर्जिया स्थित एक कोरियाई फैक्ट्री पर छापे के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव आया है। फिर भी, दक्षिण कोरिया ट्रंप प्रशासन को यह दिखाना चाहता है कि वह इंडो-पैसिफिक रणनीति में एक स्थायी और भरोसेमंद भागीदार है।

दूसरी ओर, भारत के दृष्टिकोण से ट्रंप की एशिया यात्रा के कई आयाम हैं। सबसे पहले भारत भी इस दौरे में "आसियान डिजिटल सम्मेलन" के माध्यम से आभासी भागीदारी करेगा। यह इस बात का प्रतीक है कि नई दिल्ली भले ही अमेरिका के साथ हाल के महीनों में टैरिफ विवादों से गुजरी हो लेकिन भारत अपने क्षेत्रीय हितों की उपेक्षा नहीं कर रहा। साथ ही भारत के लिए ट्रंप-शी भेंट का महत्व विशेष रूप से बड़ा है। यदि अमेरिका और चीन के बीच किसी प्रकार का व्यापारिक सामंजस्य बनता है, तो इसका सीधा असर भारत की निर्यात नीति, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, और एशिया में शक्ति-संतुलन पर पड़ेगा। भारत के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी क्योंकि अमेरिका और चीन के बीच स्थिरता से भारत के "रणनीतिक स्वायत्तता" के लिए जगह कम हो सकती है।

साथ ही, अमेरिका का दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ता हस्तक्षेप भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति को भी पूरक दिशा देता है। यदि वॉशिंगटन और क्वॉड (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका) मिलकर इंडो-पैसिफिक में नई आर्थिक एवं तकनीकी व्यवस्था गढ़ते हैं, तो भारत के लिए यह क्षेत्रीय एकीकरण और निवेश के नए अवसर खोलेगा।

देखा जाये तो ट्रंप की यह यात्रा केवल एक कूटनीतिक दौरा नहीं, बल्कि अमेरिकी नेतृत्व के पुनर्प्रतिष्ठान का प्रयास है। आसियान, एपीईसी, और चीन— इन तीनों मोर्चों पर अमेरिका अपनी "आर्थिक राष्ट्रवाद" की नीति को नई विश्व-व्यवस्था के अनुकूल ढालने की कोशिश कर रहा है। भारत को इस प्रक्रिया में सजग रहना होगा। जहाँ एक ओर ट्रंप की व्यापारिक आक्रामकता भारत के निर्यात को प्रभावित कर सकती है, वहीं दूसरी ओर यह भारत के लिए एक अवसर भी है एशिया में संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभरने का।

अभियान

पांडवों से सीता तक की अनंत भक्ति की परंपरा, सूर्य देव और छठी मइया की आराधना से जगमगाएगा पूर्वांचल का आसमान

भारत की आस्था, संयम और सूर्योपासना का सबसे पवित्र पर्व — छठ पूजा — इस वर्ष 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2025 तक मनाया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व न केवल धार्मिकता का प्रतीक है, बल्कि यह लोकसंस्कृति, प्रकृति और विज्ञान का संगम भी है। यह पर्व भगवान सूर्य देव और उनकी बहन छठी मइया को समर्पित होता है, जिन्हें संतान सुख, आरोग्य और समृद्धि प्रदान करने वाली देवी माना गया है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में यह पर्व अद्वितीय उत्साह के साथ मनाया जाता है।

छठ पूजा की कथा उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता की स्वयं की सुबह। इस व्रत का उल्लेख महाभारत और रामायण जैसे महान ग्रंथों में मिलता है। लोकमान्यताओं के अनुसार, जब पांडवों ने अपना सारा राजपाट जुएं में खो दिया था, तब द्रौपदी ने संकट की घड़ी में भगवान सूर्य देव की उपासना की थी। उन्होंने छठ व्रत किया था, जिसे "सूर्यषष्ठी व्रत" कहा गया। द्रौपदी की दृढ़ श्रद्धा और व्रत की शक्ति से सूर्य देव प्रसन्न हुए और उन्होंने पांडवों के जीवन में फिर से सुख-शांति और ऐश्वर्य लौटाया। कहा जाता है कि द्रौपदी के इस व्रत के प्रभाव से न केवल पांडवों की प्रतिष्ठा लौटी, बल्कि उनके घर में पुनः उजाला फैला। इसी कथा ने लोकविश्वास में यह विश्वास गहराया कि छठ व्रत करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और पारिवारिक संकट दूर हो जाते हैं।

महाभारत काल में ही सूर्यपुत्र कर्ण की भी कथा इस पर्व से जुड़ी हुई है। कर्ण प्रतिदिन भोर में नदी के जल में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देते थे। यह साधना उनके जीवन का सबसे बड़ा अनुशासन थी। सूर्य की कृपा से ही उन्हें असाधारण तेज, ज्ञान और युद्ध कौशल की प्राप्ति हुई थी। इसी कारण वे महाभारत के महानतम योद्धाओं में से एक बने।

छठ पूजा में जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने की यह परंपरा उसी सनातन साधना की प्रतीक है, जो सूर्य और मानव के बीच ऊर्जा के आदान-प्रदान को दर्शाती है।

रामायण काल में भी इस व्रत का उल्लेख मिलता है। जब भगवान श्रीराम चौदह वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटे, तब रावण वध के उपरांत पाप-प्रक्षालन और कुल कल्याण के लिए माता सीता ने मुंगेर में सूर्यदेव की उपासना की थी। उन्होंने छठी मइया का व्रत रखकर

भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया था ताकि उनके पति श्रीराम और उनके राज्य में सदैव सुख-शांति बनी रहे। आज भी बिहार के मुंगेर जिले में "सीता चरण" नामक स्थल स्थित है, जहां यह व्रत संपन्न हुआ माना जाता है। यह स्थल आज भी हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

कुछ धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस व्रत की शुरुआत राजा प्रियव्रत ने की थी। राजा प्रियव्रत सूर्यवंशी थे, लेकिन संतान-सुख से वंचित थे। उन्होंने महर्षि कश्यप के कहने पर सूर्य देव की आराधना की। उनके अनुष्ठान और तपस्या से प्रसन्न होकर सूर्य देव ने उन्हें संतान का आशीर्वाद दिया। राजा प्रियव्रत के व्रत और श्रद्धा से ही सूर्य षष्ठी या छठ पूजा की परंपरा का आरंभ हुआ। इस कथा से यह मान्यता जुड़ी कि छठी मइया संतान देने वाली और जीवन की पूर्णता प्रदान करने वाली देवी हैं।

छठ पूजा केवल पूजा नहीं, बल्कि आत्मानुशासन और तप का पर्व है। व्रती चार दिनों तक शुद्धता, संयम और सात्त्विकता के नियमों का पालन करते हैं। पहले दिन "नहाय-खाय" से आरंभ होता है, जब व्रती पवित्र नदी या तालाब में स्नान करके घर पवित्र करते हैं और सादा सात्त्विक भोजन करते हैं। दूसरे दिन "खरना" के दिन पूरे दिन निर्जला उपवास रहता है। शाम को गुड़-चावल की खीर, रोटी और केले का प्रसाद बनाकर चंद्रमा को अर्पित किया जाता है और फिर व्रती भोजन करते हैं। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य का दिन होता है — जब व्रती जल में खड़े होकर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। यह दृश्य पूरे गंगा, कोसी और सरयू तटों पर अवर्णनीय सौंदर्य और भक्ति का वातावरण बना देता है। चौथे दिन प्रातःकाल उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जिसे "उषा अर्घ्य" कहा जाता है। इसके साथ ही चार दिवसीय व्रत का समापन होता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी छठ पूजा का गहरा महत्व है। सूर्य के प्रकाश से शरीर को विटामिन-डी प्राप्त होता है, जो रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। सूर्य के सामने जल में खड़े होकर अर्घ्य देने से शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनता है और मन में शांति का अनुभव होता है। यह योग, प्राणायाम और भक्ति का समन्वित रूप है, जिसमें प्रकृति और मानव एक-दूसरे के साथ पूर्ण तालमेल में आते हैं।

छठ पूजा इस बात का प्रतीक है कि सूर्य — जो समस्त जीवों का पोषक है — केवल आकाश में जलता हुआ गोला नहीं, बल्कि जीवन का स्वयं स्रोत है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि श्रद्धा जब अनुशासन से मिलती है, तो मनुष्य में देवत्व प्रकट होता है। पांडवों की भक्ति, कर्ण की साधना, सीता की विनम्रता और राजा प्रियव्रत की तपस्या — सब इसी बात की ओर संकेत करते हैं कि छठ पूजा केवल लोक का पर्व नहीं, यह आत्मा की तपस्या और प्रकाश की यात्रा है।

हर साल जब छठ का गीत गूंजता है — "केतना सुंदर लागे छठी मइया के घाट" — तो ऐसा लगता है मानो सम्पूर्ण पूर्वांचल सूर्य की स्वर्णिम आभा में नहा गया हो। घाटों पर दीपों की कतारें, अरघ्य देते श्रद्धालु, और जल में प्रतिबिंबित उगते सूर्य की किरणें — यह दृश्य केवल पूजा नहीं, यह भारत की सनातन संस्कृति की जीवंत धारा है, जो आज भी हजारों वर्षों बाद उतनी ही उज्ज्वल है जितनी महाभारत और रामायण काल में थी।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो का सपना हकीकत के करीब, केंद्र ने दी मंजूरी, तीन साल में पूरा होगा 24 किलोमीटर का प्रोजेक्ट

(जीएनएस)। पलवल। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो विस्तार परियोजना को अब केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है। शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय ने प्रोजेक्ट की टेक्नो-फेजिबिलिटी सर्वे की जिम्मेदारी राइट्स कंपनी को सौंप दी है। इससे तीन साल के भीतर इस 24 किलोमीटर लंबे मेट्रो प्रोजेक्ट का कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

पलवल और बल्लभगढ़ के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की लंबे समय से मांग की जा रही थी। इस मांग को ध्यान में रखते हुए हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 25 जून 2023 को गदपुरी में आयोजित रैली में पलवल तक मेट्रो विस्तार की घोषणा की थी। घोषणा के अगले ही दिन 26 जून को टेक्नो-फेजिबिलिटी स्टडी के लिए आदेश जारी किए गए थे, और 27 जून को टीम ने मौके का मुआयना किया। इसमें हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के प्रधान सलाहकार एसडी शर्मा, राइट्स के एसडीजीएम राज किशोर और प्रबंधक नेहा गंभीर शामिल रहे। इस मेट्रो विस्तार परियोजना के धरातल पर काम शुरू होने के बाद से जिले के लोग अगली प्रक्रिया का इंतजार कर रहे थे। अब केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री बन चुके मनोहर लाल ने इसे औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी है।

इस परियोजना से पलवल और बल्लभगढ़ के बीच आवागमन आसान होगा, जिससे दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद जाने वाले यात्रियों को बड़ा फायदा मिलेगा। पलवल जिला इस समय दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख कनेक्टिविटी हब के रूप में उभर रहा है। यहां से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 19, केएमपी-केजीपी एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के साथ-साथ पलवल के निकट बन रहे जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को देखते हुए मेट्रो का विस्तार क्षेत्रीय विकास की रफ्तार को तेज करेगा। इसके साथ ही सोनीपत से पलवल तक आर्बिटल रेल कॉरिडोर का निर्माण भी चल रहा है, जो आने वाले समय में यातायात को और आसान बनाएगा।

विशेष रूप से पृथला औद्योगिक क्षेत्र और जिले के अन्य औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों को मेट्रो का सीधा लाभ मिलेगा। नए उद्योग स्थापित होंगे, और दिल्ली-एनसीआर के लोग पलवल को रहने के लिए एक बेहतर विकल्प मानेंगे। प्रॉपर्टी मार्केट में भी इस परियोजना के आने से नई चमक आएगी। इस एलिवेटेड मेट्रो रूट पर कुल 24 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर लगभग दस स्टेशन बनाए जाएंगे। बल्लभगढ़ के बाद संभावित स्टेशन होंगे – सेक्टर 58-59, सीकरी, सोफता, पृथला, बघौला, आल्हापुर, और अंतिम स्टेशन पलवल बस स्टैंड होगा। प्रति किलोमीटर लागत लगभग 180 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिससे कुल परियोजना की अनुमानित लागत 4320 करोड़ रुपये होगी।

जिलावासी इस मेट्रो विस्तार को केजीपी-केएमपी एक्सप्रेसवे इंटरचेंज तक लाने की मांग भी कर रहे हैं, ताकि जिला लघु सचिवालय और अन्य जिलों तक आसान आवागमन सुनिश्चित हो सके। इसके लिए शहर के आगरा चौक और केजीपी-केएमपी इंटरचेंज पर दो अतिरिक्त स्टेशन की मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मेट्रो प्रोजेक्ट के पूरा होने से पलवल और बल्लभगढ़ के बीच यातायात, व्यापार, औद्योगिक विकास और रियल एस्टेट मार्केट में नए अवसर खुलेंगे। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए यह मेट्रो विस्तार एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा और आने वाले वर्षों में पलवल को और अधिक विकसित और कनेक्टेड शहर बनाने में मदद करेगा।

लखनऊ में शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का हंगामा, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने पर बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव, पुलिस ने किया प्रदर्शनकारियों को इको गार्डन में नजरबंद

(जीएनएस)। लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 69,000 शिक्षक भर्ती को लेकर वर्षों से संघर्ष कर रहे अभ्यर्थियों का सब्र आखिरकार टूट गया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थियों ने शनिवार की सुबह लखनऊ में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लिए अभ्यर्थियों ने "न्याय दो, रोजगार दो" के नारे लगाए और सरकार से सुप्रीम कोर्ट में सक्रिय पैरवी की मांग की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को मंत्री आवास से हटाकर इको गार्डन भेज दिया, जहां उन्हें देर तक रोके रखा गया। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि सरकार उनकी बात को गंभीरता से नहीं ले रही है। उनका कहना था कि पांच साल से वे रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोर्ट में ढीली पैरवी की वजह से उनकी नियुक्ति प्रक्रिया अटकी हुई है। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार हाईकोर्ट के आदेश को भी जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाल चुकी है। लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 13 अगस्त 2024 को आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला देते हुए उन्हें नियुक्ति देने का आदेश दिया था, लेकिन अब तक उस पर अमल नहीं हुआ। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी अमरेंद्र पटेल ने कहा कि 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई तय है और अब वे उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार इस बार मामले में ईमानदारी से पैरवी करेगी। उन्होंने बताया कि अब तक 22 बार सुनवाई टल चुकी है और हर बार अभ्यर्थी निराश लौटे हैं। अमरेंद्र ने कहा कि पांच वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भी जब सरकार ने उनकी आवाज़ नहीं सुनी, तो उन्हें सड़कों पर उतरना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस बार भी गंभीरता नहीं दिखाई तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। दूसरी ओर अंबेडकर नगर से आए अभ्यर्थी उमाकांत मौर्य ने बताया कि कई अभ्यर्थियों को लखनऊ पहुंचने से पहले ही पुलिस ने रोक लिया। रात में उनके घरों और रास्तों में ही पुलिस तैनात कर दी गई थी ताकि कोई राजधानी न पहुंच सके। उमाकांत ने कहा कि सरकार उनके शांतिपूर्ण आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन अब अभ्यर्थी डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई रोजगार की है, और जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने मंत्री आवास और आस-पास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे। भारी संख्या में पुलिस और पीएसी जवान तैनात किए गए ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। प्रदर्शनकारियों को हटाने के बाद इको गार्डन में नजरबंद कर दिया गया, जहां वे देर शाम तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। लखनऊ की सड़कों पर शनिवार को शिक्षक अभ्यर्थियों की आवाज़ गूंजती रही। एक ओर जहां बेरोजगारी से जूझते युवाओं की आंखों में उम्मीद और आक्रोश दोनों झलक रहे थे, वहीं दूसरी ओर प्रशासन पूरे हालात पर नजर बनाए हुए था। अभ्यर्थियों का कहना था कि वे अब किसी भी आश्वासन के भरोसे नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ही शांत होंगे। अब सबकी निगाहें 28 अक्टूबर की सुनवाई पर टिकी हैं, जिससे तय होगा कि उत्तर प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवाओं को आखिर कब मिलेगा उनका हक़ और बहुप्रतीक्षित नियुक्ति पत्र।

पशिचम रेलवे द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान,यात्रियों की सुविधा हेतु व्यापक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित

(जीएनएस)। भारतीय रेल द्वारा दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की सुविधा और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यात्रा की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए देशभर में हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे चलाए जा रहे हैं। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। इस व्यस्त अवधि के दौरान सुचारू परिचालन और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रहे हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा भी त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए गए हैं। त्योहारी सीज़न के दौरान भारी मांग को पूरा करने के लिए 80 जोड़ी से अधिक स्पेशल ट्रेनों के लगभग 2,500 फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। इनमें से अधिकांश ट्रेनें उत्तर भारत की ओर जाती हैं, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और पड़ोसी राज्यों की यात्रा करने वाले यात्रियों को सेवाएँ प्रदान करती हैं। इनमें से लगभग 1,630 फेरे गुजरात से, 752 फेरे महाराष्ट्र से और 90 फेरे मध्य प्रदेश से हैं।

उधना/सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेनों में यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछले वर्ष त्योहारी अवधि की तुलना में जब 93 यात्राएं अधिसूचित की गई थीं और लगभग 1.49 लाख यात्रियों को ले जाया गया था (09.10.2024 से 08.11.2024 तक), इस वर्ष के त्योहारी सीज़न (28.09.2025 से 28.10.2025 तक) में 128 फेरे अधिसूचित की गई हैं, जिनमें 2 लाख से अधिक यात्रियों को ले जाया गया। इन स्पेशल ट्रेनों ने अपने गंतव्य तक जाने वाले यात्रियों को एक सुविधाजनक और परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव प्रदान किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि यात्री यातायात में वृद्धि को देखते हुए 19 अक्टूबर, 2025 को यात्रियों की सुविधा के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इस भीड़ को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए उधना स्टेशन पर कई बुनियादी ढाँचे में सुधार और यात्री-अनुकूल सुविधाएँ विकसित की गई हैं। उधना (पूर्व) के नए उन्नत उच्चस्तरीय प्लेटफ़ॉर्म संख्या 6 पर यात्रियों के लिए चढ़ने की सुविधा में सुधार किया है। स्टेशन के पहुँच मार्ग को सर्कुलेटिंग और होल्डिंग ऐरिया से जोड़ने के लिए 700 मीटर लंबी कंक्रीट सड़क का निर्माण किया गया है। दो विशाल होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं - एक पश्चिम की ओर लगभग 1,000 यात्रियों के लिए और दूसरा पूर्व की ओर 1,500 यात्रियों के लिए। ये होल्डिंग एरिया पर्याप्त बैठने की जगह, पेयजल नल, रोशनी, पंखे, शौचालय, सीसीटीवी निगरानी और एक सार्वजनिक घोषणा प्रणाली से सुसज्जित हैं।

टिकटिंग को तेज़ और आसान बनाने के लिए अतिरिक्त बुकिंग काउंटर, एटीवीएम और हैंड-हेल्ड टिकटिंग टर्मिनल शुरू किए गए हैं। मोबाइल यूटीएस सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे बुकिंग कर्मचारी कतार में प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों को टिकट जारी कर सकेंगे। प्लेटफ़ॉर्म के बीच सुचारू आवाजाही के लिए पूर्वी स्टेशन भवन में एक नया एस्केलेटर और अतिरिक्त सीढ़ियाँ लगाई गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की भी व्यवस्था की गई है।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए यात्रियों की सहायता और प्लेटफॉर्मों पर उचित कतार व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा ट्रेनों की सुरक्षा की जा रही है। सीसीटीवी निगरानी चौबीसों घंटे की जा रही है और भीड़ प्रबंधन के लिए संवेदनशील स्टेशनों पर एक समर्पित वॉर रूम स्थापित किया गया है। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को परिचालन की निगरानी और यात्रियों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे तैनात किया गया है। पश्चिम रेलवे द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से सभी स्पेशल ट्रेनों एवं यात्री सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को ट्रेन सेवाओं के बारे में पूरी जानकारी मिलती रहे। पश्चिम रेलवे सभी यात्रियों से अपील करती है कि वे इस त्योहारी सीज़न के दौरान सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेल कर्मचारियों के साथ सहयोग करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वीरमगाम के पूर्व विधायक स्व. वजुभाई डोडिया की प्रार्थना सभा में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को वीरमगाम के पूर्व विधायक और अग्रणी समाज सेवक स्व. वजुभाई परमारभाई डोडिया की प्रार्थना सभा में उपस्थित रहे। इस प्रार्थना सभा में मुख्यमंत्री ने दिवंगत वजुभाई डोडिया को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. वजुभाई डोडिया के सार्वजनिक जीवन और समाज के लिए दिए गए योगदान को याद किया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के साथ मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि स्व. वजुभाई परमारभाई डोडिया का निधन मंगलवार, 25 अक्टूबर, 2025 को हुआ था। उन्होंने वीरमगाम और साणंद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं और एडीसी बैंक एवं गुजकोमासोल के निदेशक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया था।

इस श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, वीरमगाम के विधायक श्री हार्दिक पटेल सहित अहमदाबाद शहर और जिले के सभी विधायक, राजनीतिक, सामाजिक और सहकारिता क्षेत्र के अग्रणियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

वेरावल-राजकोट-वेरावल दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में 27 अक्टूबर से एक अतिरिक्त जनरल कोच की सुविधा

(जीएनएस)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल की वेरावल-राजकोट-वेरावल दैनिक पैसेन्जर ट्रेन (संख्या 59424/59423) में स्थायी रूप से एक अतिरिक्त जनरल कोच की सुविधा प्रदान की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अतिरिक्त जनरल कोच की सुविधा प्रदान की गई है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

1.ट्रेन संख्या 59423 राजकोट-वेरावल दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में एक अतिरिक्त जनरल कोच 27 अक्टूबर, 2025 से स्थायी रूप से लगाया जाएगा।

2.ट्रेन संख्या 59424 वेरावल-राजकोट दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में एक अतिरिक्त जनरल कोच 27 अक्टूबर, 2025 से स्थायी रूप से लगाया जाएगा।

▸▸ इस सुविधा से यात्रियों को अधिक आरामदायक एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ प्राप्त होगा।।

▸▸ ट्रेन के ठहराव, संरचना एवं समय-सारिणी संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया भारतीय रेल की वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया अहमदाबाद स्टेशन का दौरा

त्योहारों के मद्देनज़र यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की,इस दौरान अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायजा भी लिया

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 24 अक्टूबर 2025 को अहमदाबाद स्टेशन का दौरा किया। त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महाप्रबंधक ने अहमदाबाद स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे होल्डिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फूटओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने हेतु किए गए प्रबंधों की समीक्षा की और अहमदाबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी जायजा लिया। अहमदाबाद स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने कालूपुर ब्रिज से सारंगपुर के बीच बन रहे रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निरीक्षण किया तथा सरसपुर दिशा में बनाए गए होल्डिंग एरिया एवं प्लेटफॉर्म संख्या 8 के समीप NHSRCL बिल्डिंग के नीचे तैयार होल्डिंग एरिया का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने यात्रियों से संवाद भी किया। निरीक्षण के पश्चात् श्री गुप्ता ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीज़न में यात्रियों की सुविधा हेतु 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जिनमें से 2,000 से अधिक ट्रेनें पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित की जा रही हैं। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद, साबरमती, असारवा, उधना, बांद्रा टर्मिनस आदि प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहाँ पेयजल, टॉयलेट, सीसीटीवी निगरानी, टिकटिंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेलवे के 12 लाख से अधिक कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों की सुरक्षित एवं सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं, जिनमें पश्चिम रेलवे के लगभग 80000 से 90000 कर्मचारी भी सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद एरिया से दिवाली पर्व के दौरान 1.5 लाख से अधिक यात्रियों को सफलतापूर्वक उनके गंतव्य तक पहुँचाया गया है और अब छठ पूजा के अवसर पर संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्पेशल एवं अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। स्टेशन निरीक्षण के पश्चात् श्री गुप्ता ने अहमदाबाद-विरमगाम सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग संरक्षा निरीक्षण किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चरल कार्यों, रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग तथा पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया गया। इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश, मुख्य परियोजना प्रबंधक (RLDA) श्री संजीव कुमार सहित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारतीय रेल छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुगम वापसी यात्रा के लिए तैयार; त्योहारी सीजन के बाद अपने कार्यस्थलों पर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 6,181 विशेष ट्रेनें

▸▸ यात्रियों की भीड़ को प्रबंधित करने और त्योहारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश के 30 प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त कोच जोड़े गए और मौसम-रोधी होल्डिंग एरिया स्थापित किए गए

▸▸ अगले तीन दिनों में 900 विशेष ट्रेनें; रेलवे ने अतिरिक्त एटीवीएम, पीआरएस काउंटर और सभी स्टेशनों पर मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं के साथ यात्री सुविधा में वृद्धि की

▸▸ रेलवे ने पटना, दानापुर, हाजीपुर, भागलपुर, जमालपुर, सोनपुर, नई दिल्ली, गाजियाबाद और आनंद विहार टर्मिनल सहित प्रमुख स्टेशनों पर भक्तिमय छठ गीत बजाकर त्योहारी यात्रा के अनुभव को और बेहतर बनाया

▸▸ रेलवे ने पर्याप्त संख्या में आरपीएफ तैनात किया है, यात्री सहायता बूथों, कतार प्रबंधन और उद्घोषणा प्रणालियों को सुदृढ़ किया है और यात्रियों की आवश्यकताओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 24x7 वॉर रूम संचालित किए हैं

▸▸ रेलवे ने पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया और सहरसा में 24x7 मेडिकल बूथ स्थापित किए हैं, साथ ही यात्रियों को त्वरित स्वास्थ्य सहायता और सुरक्षा प्रबंधन के लिए अग्निशमन और एम्बुलेंस सेवाएं भी तैयार रखी हैं

▸▸ यात्रियों ने आरामदायक त्यौहारी यात्रा अनुभव के लिए भारतीय रेल की विशेष ट्रेनों और व्यवस्थाओं की सराहना की

(जीएनएस)। भारतीय रेल देश भर में 12,000 से अधिक विशेष रेलगाड़ियां चलाकर यात्रियों के लिए सुगम और आरामदायक त्योहारी यात्रा सुनिश्चित कर रहा है। त्योहारों पर आने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु आदि जैसे प्रमुख स्टेशनों पर सभी यात्री सुविधाओं से सुसज्जित होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे कर्मचारी यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं ताकि सभी लोग अपने प्रियजनों के साथ त्योहार मनाने के लिए सुरक्षित घर पहुंचें। त्योहारों पर आने वाली भीड़ को कम करने के लिए अगले तीन दिनों में देश भर में 900 से अधिक विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं।

रेलवे अब छठ पूजा के बाद यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक वापसी यात्रा के लिए कमर कस रहा है। त्योहारों के बाद अपने कार्यस्थलों पर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 28 अक्टूबर से नवंबर तक 6181 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी।

बिहार के लगभग 30 स्टेशन त्योहारी भीड़ के लिए होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, सीसीटीवी निगरानी और अन्य यात्री-अनुकूल व्यवस्थाओं के साथ तैयार हो रहे हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा सेवाओं में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं। यात्रियों की भारी आमद को नियंत्रित करने और ट्रेनों के प्रस्थान से पहले सुविधाजनक प्रतीक्षालय प्रदान करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर मौसम-रोधी होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं। जिन स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं उनमें बिहार के पटना, दानापुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया, समस्तीपुर, बरौनी आदि और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बलिया और बनारस शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त यात्रियों के लिए यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए अतिरिक्त स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटर और मोबाइल अनारक्षित टिकट (एम-यूटीएस) सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

छठ पूजा के पावन अवसर पर, भारतीय रेल ने भी रेलवे स्टेशनों पर छठ गीत बजाना शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को त्योहार की भावना से जोड़ना और उनकी यात्रा को और भी सुखद बनाना है। पटना, दानापुर, हाजीपुर, भागलपुर, जमालपुर, सोनपुर, नई दिल्ली, गाजियाबाद और आनंद विहार टर्मिनल जैसे प्रमुख स्टेशनों पर, ये गीत यात्रियों को घर और संस्कृति का अनुभव कराते हैं और उनकी यात्रा को भक्ति और आनंद से भर देते हैं।

ट्रेनों का सुचारू परिचालन बनाए रखने के लिए, सुरक्षा और नियमन हेतु पर्याप्त संख्या में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) तैनात किए गए हैं। यात्री सहायता बूथ, सूचना काउंटर, कतार प्रबंधन प्रणाली और सार्वजनिक घोषणा प्रणालियों को सुदृढ़ किया गया है। सभी प्रमुख स्टेशनों पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता सुविधाओं की कड़ी निगरानी की जा रही है। रेलवे बोर्ड, जोनल और मंडल स्तर पर समर्पित वॉर रूम चौबीसों घंटे परिचालन की निगरानी और समन्वय के लिए कार्यरत हैं, ताकि यात्रियों की किसी भी आवश्यकता को लेकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, सहरसा आदि स्टेशनों पर यात्रियों की किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति से निपटने के लिए 24x7 चिकित्सा बूथ स्थापित किए गए हैं। राज्य सरकार के समन्वय से, अग्निशमन विभाग और एम्बुलेंस सेवाओं को भी तत्काल चिकित्सा सहायता और सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए तैयार रखा गया है।

भारतीय रेल सावधानीपूर्वक योजना, बेहतर यात्री सेवाओं तथा सुविधा और देखभाल पर विशेष जोर देकर, निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है।

उत्तराखंड में यात्रा होगी महंगी, बाहरी राज्यों की हर गाड़ी से वसूला जाएगा ग्रीन सेस टैक्स

(जीएनएस)। देहरादून। उत्तराखंड आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों के लिए अब ग्रीन सेस टैक्स लागू किया जाएगा। उत्तराखंड सरकार ने इस संबंध में फैसला पारित कर दिया है और इसे दिसंबर 2025 से लागू किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य राज्य में पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना और पर्यटन तथा यातायात के लिए स्थायी उपाय सुनिश्चित करना है। अपर आयुक्त परिवहन एसके सिंह ने बताया कि दिसंबर महीने से उत्तराखंड में प्रवेश करने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों से ग्रीन सेस के नाम पर शुल्क वसूला जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत बाहरी राज्यों से आने वाली हर प्रकार की गाड़ी—कार, बस, बाइक या ट्रक—से टैक्स लिया जाएगा। भुगतान प्रक्रिया फास्टैग आधारित ऑटोमैटिक कटौती के माध्यम से होगी, जिससे वाहन चालकों को सीधे भुगतान करना होगा।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे के वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच 25/26 अक्टूबर, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि अर्थात 25/26 अक्टूबर, 2025 को वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर 23:30 बजे से 03:00 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:15 बजे से 04:45 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को विरार से भायंदर/बोरीवली स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर परिचालित की जाएंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन दिशा की कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

दाहोद स्टेशन पर दो ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना और मुंबई सेंट्रल-शकुर बस्ती ट्रेनों को दाहोद स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण निम्नानुसार हैं:

26 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 05:25 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 05:27 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को लुधियाना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09098 लुधियाना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 23:53 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 23:55 बजे प्रस्थान करेगी।

25 अक्टूबर, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल – शकूर बस्ती स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:48 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 17:50 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 26 अक्टूबर, 2025 को शकूर बस्ती से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती – मुंबई सेंट्रल स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 00:31 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 00:33 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच चलाएगी एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04834/04833 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 04834 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:25 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04833 जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार को जोधपुर से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, वनस्थली निवाई, दुर्गापुरा, जयपुर, आसलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04834 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 26 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अहमदाबाद में 'नहाय-खाय' से शुरू हुआ छठ महापर्व, सूर्य उपासना में डूबा शहर, घाटों पर तैयारियां तेज

(जीएनएस)। अहमदाबाद। लोक आस्था, तप और सूर्य उपासना का चार दिवसीय पर्व छठ शनिवार से पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ शुरू हो गया। नए उत्साह और धार्मिक जोश के साथ अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश मूल के लोगों ने परंपरागत रीति से 'नहाय-खाय' का व्रत रखकर इस महापर्व की शुरुआत की। इस अवसर पर शहर का वातावरण भक्ति और पवित्रता से सराबोर दिखाई दिया।

शनिवार को 'नहाय-खाय' के साथ व्रतियों ने पवित्र स्नान कर शुद्धता का संकल्प लिया और भगवान सूर्य व छठ मैया की आराधना का क्रम प्रारंभ किया। व्रती महिलाओं ने अपने घरों की सफाई कर प्रसाद के रूप में लौकी-भात और चने की दाल का विशेष भोग लगाया। इस दिन को छठ पर्व की शुद्ध शुरुआत माना जाता है, जिसमें व्रती अपने तन-मन को पवित्र रखकर आने वाले कठिन उपवास की तैयारी करते हैं।

अहमदाबाद के विभिन्न क्षेत्रों — चांदखेड़ा, इंदिरा ब्रिज, गोदरेज गार्डन सिटी, नारणघाट-शाहीबाग, मेघाणीनगर, बापूनगर, अमराईवाड़ी, रखियाल, निकोल, गोता और गांधीनगर के कलोल क्षेत्र — में इस पर्व का उत्साह चरम पर है। यहां के परिवारों ने अपने-अपने इलाकों में पारंपरिक साज-सज्जा के साथ पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई जगहों पर कृत्रिम घाट बनाए जा रहे हैं, जहां सोमवार को अस्ताचलगामी और मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने का अनुष्ठान होगा।

रविवार को छठ पर्व का दूसरा दिन 'खरना' मनाया जाएगा। इस दिन व्रती महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और शाम को गुड़ की खीर, रोटी और केले का प्रसाद ग्रहण कर उपवास का पारण करती हैं। इसके बाद अगले दो दिनों तक वे बिना जल ग्रहण किए कठोर व्रत का पालन करती हैं। सोमवार की शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय पर्व का समापन होगा।

शहर के चांदखेड़ा इलाके में मंडन भारती सेवा ट्रस्ट द्वारा न्यू सीजी रोड

स्थित अहमदाबाद महानगरपालिका के प्लॉट पर भव्य छठ आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट के न्यासी के.डी. पाठक ने बताया कि इस बार दो तालाब तैयार किए गए हैं, जहां करीब दो सौ व्रती एक साथ खड़े होकर पूजा-अर्चना कर सकेंगे। मनपा के सहयोग से भजन संध्या और महाप्रसाद की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

इंदिरा ब्रिज पर बने छठ घाट पर छठ महापर्व समन्वय ट्रस्ट की ओर से तैयारियां चरम पर हैं। ट्रस्ट के न्यासी सोना सिंह राजपूत ने बताया कि इस आयोजन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा, राज्यमंत्री दर्शनाबेन वाघेला, महापौर प्रतिभा जैन सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री 27 अक्टूबर की शाम छठ मैया की आरती करेंगे। इस बार घाट पर सूर्य यज्ञ का भी आयोजन होगा, जो पूरे गुजरात में अनूठी मिसाल बनेगा।

गोदरेज गार्डन सिटी यूथ क्लब की ओर से भी छठ पूजा की तैयारियां पूरी जोरों से चल रही हैं। वहीं, बिहार कल्चरल एसोसिएशन के अध्यक्ष सदानंद झा ने बताया कि साबरमती नदी के नारण घाट-शाहीबाग क्षेत्र में भी पारंपरिक छठ आयोजन किया जा रहा है, जहां सैकड़ों व्रती परिवार सूर्यदेव की उपासना करेंगे।

श्रद्धालु महिलाओं ने बताया कि छठ माता और भगवान सूर्य से वे अपने परिवार की सुख-शांति, संतान-सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती हैं। कई श्रद्धालु महिलाएं वर्षों से यह व्रत करती आ रही हैं और इसे अपनी जीवन परंपरा का अभिन्न हिस्सा मानती हैं। सेवानिवृत्त शिक्षक लाल बिहारी झा ने कहा कि छठ केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं बल्कि सूर्य और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व मानव और पर्यावरण के बीच संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जब पूरा समाज सामूहिक रूप से सूर्य उपासना में शामिल होता है, तब यह एकता, स्वच्छता और आत्मसंयम का प्रतीक बन जाता है।

अहमदाबाद में छठ महापर्व अब एक स्थानीय उत्सव का रूप ले चुका है। बिहार और पूर्वांचल के लोगों की बड़ी आबादी वाले इस शहर में छठ के अवसर पर भक्तिभाव, लोकगीत, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक मेलजोल की झलक देखने को मिल रही है। इस पर्व ने अहमदाबाद की सामाजिक विविधता को और समृद्ध बना दिया है।

अहमदाबाद में रोजगार मेला : 155 नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

(जीएनएस)। अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहमदाबाद सहित देशभर के 40 स्थानों पर शुक्रवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इनमें 51 हजार से अधिक नव-नियुक्तों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

अहमदाबाद में सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक सभागार में आयोजित रोजगार मेले का शुभारंभ केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन बांभणिया ने किया। इस अवसर पर डाक विभाग, रेलवे, आयकर, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के 155 नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें 29 महिला अभ्यर्थी भी शामिल थीं।

उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि इस रोजगार मेले के अवसर पर प्राप्त होने वाला नियुक्ति पत्र सिर्फ एक कागज या दस्तावेज मात्र नहीं है, बल्कि जीवन भर देश की सेवा करने का संकल्प लेने का एक सुनहरा अवसर है। इस अवसर पर महापौर प्रतिभा जैन, विधायक कौशिक जैन भी उपस्थित रहे।

मेक इन इंडिया अभियानों ने रोजगार सृजन को दी नई दिशा

केंद्रीय राज्यमंत्री निमुबेन ने कहा कि यह रोजगार मेला युवाओं के लिए दीपावली का अनमोल उपहार है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने रोजगार सृजन को नई दिशा दी है। देश में 1.6 लाख स्टार्टअप से 17.6 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। पीएम सेतु के माध्यम से आईटीआई संस्थानों का उन्नयन हो रहा है।

ये नौकरी राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर : पीएम

प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से युवाओं को कहा कि ये नियुक्तियां केवल सरकारी नौकरियां नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर हैं। उन्होंने कहा कि जो उम्मीदवार यूपीएससी की अंतिम सूची तक पहुंचे, लेकिन सेलेक्ट नहीं हुए, उनकी मेहनत भी अब व्यर्थ नहीं जाएगी। 'प्रतिभा सेतु पोर्टल के माध्यम से निजी व सार्वजनिक संस्थान इन युवाओं को आमंत्रित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने आइ-गोट कर्मयोगी भारत प्लेटफार्म की उपयोगिता पर भी जोर दिया, जिसमें लगभग 1.5 करोड़ सरकारी कर्मचारी पहले से ही प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने नव-नियुक्तों को इस प्लेटफार्म से जुड़ने और नए कार्य संस्कृति व अच्छे शासन की भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव के माध्यम से इस त्योहारी मौसम में भी रोजगार सृजन में योगदान मिल रहा है।

देश के कई राज्यों में आ रहा चक्रवाती तूफान,3 दिन तक मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्लीः महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश हुई है। मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार को भी गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, गुजरात , मध्य प्रदेश, विदर्भ, अंडमान और निकोबार आइलैंड्स और छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में कहा गया है कि 28-30 तारीख के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, सिक्किम में गरज के साथ बारिश हो सकती है। 29 और 30 अक्टूबर को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। यह प्रणाली 27 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से सोमवार से तीन दिन तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शनिवार और रविवार को 21 जिलों में और सोमवार को पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस तूफान के कारण 28 से 30 अक्टूबर के बीच दक्षिण बंगाल के जिलों उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, झारग्राम और हावड़ा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 28 अक्टूबर को कोलकाता और आसपास के हुगली जिले में बिजली कड़कने के साथ तूफान आने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिलों में भी 29 से 30 अक्टूबर के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 28 अक्टूबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कडलूर, पुडुचेरी, विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों के लिए आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है। उत्तर भारत में सुबह और शाम हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गई है। अगले 4-5 दिनों तक नॉर्थवेस्ट इंडिया में मिनिमम टेम्परेचर में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

राज्यमंत्री बनने पर रीवाबा जडेजा का जामनगर में भव्य स्वागत, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर दी बधाई

(जीएनएस)। जामनगर। गुजरात की नई शिक्षा राज्यमंत्री रीवाबा जडेजा का गुरुवार को जामनगर में भव्य स्वागत किया गया। उनके मंत्री बनने की खुशी में पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह की शुरुआत प्रसिद्ध क्रिकेट बंगला से हुई, जहां रीवाबा जामनगर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने अपने पति, भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के कोच महेंद्र सिंह से आशीर्वाद लिया और कहा कि उनका यह पद जनता की सेवा और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहेगा।

रीवाबा ने इसके बाद महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वीरता तथा राष्ट्रभक्ति की परंपरा को नमन किया। वहां से उनके निर्वाचन क्षेत्र तक एक विशाल बाइक रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक और आम नागरिक शामिल हुए। रैली में पूर्व राज्यमंत्री धर्मेंद्रसिंह जाडेजा और राजपूत समुदाय के कई प्रमुख नेता भी मौजूद रहे। रैली के दौरान लोगों ने पुष्पवर्षा कर और नारे लगाकर रीवाबा का जोरदार स्वागत किया।

बाइक रैली के बाद गांधीनगर के पास विश्वकर्मा बाग में मुख्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस

अवसर पर क्षेत्र के भाजपा नेता, कार्यकर्ता और सैकड़ों स्थानीय नागरिकों ने मंत्री को बधाई दी। समारोह का आयोजन जामनगर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से दिवाली और मंत्री बनने की दोहरी खुशी में किया गया था।

रीवाबा जडेजा ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की जड़ है और वे विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा, डिजिटल क्लासरूम और ग्रामीण विद्यालयों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी।

समारोह में क्षत्रिय समाज के नेताओं ने पारंपरिक तरीके से रीवाबा का स्वागत किया और उन्हें तलवार भेंटकर सम्मानित किया। मंच पर मौजूद भाजपा नेताओं ने कहा कि रीवाबा का मंत्री बनना न केवल जामनगर के लिए बल्कि पूरे सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनने की दिशा में कार्य करने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे जामनगर में जश्न जैसा माहौल रहा। शहर के कई स्थानों पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स लगाए गए थे। जगह-जगह मिठाइयां बांटी गईं और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत जुलूस निकाला गया।

रीवाबा ने कहा कि जामनगर की जनता ने जिस स्नेह और विश्वास के साथ उन्हें विधायक बनाया, अब वे उसी प्रेम को शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाकर लौटाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि "हर बच्चा पढ़े, हर स्कूल आगे बढ़े।" जामनगर के इस ऐतिहासिक स्वागत समारोह ने यह संदेश दिया कि रीवाबा जडेजा अब केवल क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी नहीं, बल्कि गुजरात की राजनीति में एक सशक्त और सक्रिय महिला नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

आलमगीर आलम से जुड़े मामले में आठ नए आरोपियों पर चार्जशीट

(जीएनएस)। रांचीः झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर मैनेजमेंट के दौरान कमीशनखोरी और मनी लाउंड्रिंग मामले में ईडी (Enforcement Directorate) ने चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की है। इस चार्जशीट में 8 नए आरोपी शामिल किए गए हैं, जिनमें ठेकेदार, प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोगी और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद इस मामले में कुल आरोपियों की संख्या 22 हो गई है। चार्जशीट में अपराध की आय उत्पन्न करने और उसे वैध बनाने में शामिल ठेकेदारों और अन्य आरोपियों की भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया गया है। राजेश कुमारः 1.88 करोड़ की रिश्वत देने और दो लक्ज़री वाहन (टोयोटा इनोवा और टोयोटा फॉर्च्यूनर) देने की बात स्वीकार की। राधा मोहन

साहूः 39 लाख की रिश्वत और अपने बेटे अंकित साहू के नाम पर पंजीकृत टोयोटा फॉर्च्यूनर देने की बात स्वीकार की। अन्य आरोपीः वीरेंद्र कुमार राम के सहयोगी अतिकुल रहमान के परिसर से 4.40 लाख नकद जब्त। ठेकेदार राजीव कुमार सिंह के आवास से 2.13 करोड़ नकद जब्त; राजीव ने 15 करोड़ कमीशन राशि जुटाने और संभालने की बात स्वीकार की। सह-आरोपी संजीव कुमार लाल की पत्नी रीता लाल पर अपराध की आय से संपत्तियां खरीदने और वैध दिखाने का आरोप। जांच में अब तक 44 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति की पहचान की गई है और उसे अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। ईडी ने चार्जशीट में सभी आरोपियों पर मुकदमा चलाने और अपराध की आय के रूप में पहचानी गई संपत्तियों को जब्त करने का अनुरोध किया है। जांच जारी है। ईडी की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जमशेदपुर द्वारा नवंबर 2019 में दर्ज प्रिडिकेट ऑफेंस पर आधारित है। कनिष्ठ अभियंता सुरेश प्रसाद वर्मा को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। तलाशी में विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम से जुड़े ठिकानों से 2.67 करोड़ नकद जब्त किए गए। जांच में पाया गया कि विभाग के भीतर विशाल भ्रष्टाचार सिंडिकेट काम कर रहा था।

गुजरात के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में शुरू होंगे ग्रेन एटीएम, भावनगर से धोलेरा तक रेल सर्वे जारी : सांसद निमुबेन बांभणिया

(जीएनएस)। भावनगर। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री और भावनगर की सांसद निमुबेन बांभणिया ने नए साल 2082 के अवसर पर भावनगर में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में राज्य के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। शहर के जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, वरिष्ठ नेता और नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने सांसद बांभणिया को नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की।

सांसद बांभणिया ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को सशक्त बनाने के लिए उनके मंत्रालय ने तकनीकी सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही गुजरात के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में "ग्रेन एटीएम" की शुरुआत की जाएगी। इस नई पहल के तहत लोगों को राशन वितरण में सुविधा

मिलेगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। बांभणिया ने कहा कि भावनगर में पहले से ही एक ग्रेन एटीएम कार्यरत है, जो राज्य का रोल मॉडल बन चुका है। यहां रात 12 बजे तक कोई लाइन में नहीं खड़ा होता और नागरिक अपनी सुविधा से डिजिटल माध्यम से अनाज प्राप्त करते हैं।

सांसद ने कहा कि उनके विभाग ने कई नए मोबाइल एप और पोर्टल लॉन्च किए हैं ताकि उपभोक्ता अपने अधिकारों से जागरूक रहें और योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह उनकी प्राथमिकता है कि अगले कुछ महीनों में गुजरात के हर लोकसभा क्षेत्र में ऐसे एटीएम स्थापित किए जाएं, जिससे आम नागरिकों को सहजता से अनाज मिल सके और राशन दुकानों पर भीड़ की समस्या समाप्त हो।

बांभणिया ने भावनगर जिले के विकास से जुड़ी कई अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भावनगर से धोलेरा एसआईआर (स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन) तक रेललाइन का सर्वे कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिससे औद्योगिक क्षेत्र को सीधा रेल कनेक्शन मिलेगा और आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि भावनगर से अयोध्या तक नई रेल सेवा की शुरुआत भी हो चुकी है और इस योजना को साकार करने में रेल मंत्री ने स्वयं भावनगर पहुंचकर अनुमति दी थी।

सांसद ने यह भी बताया कि वह भावनगर से वंदे भारत ट्रेन जल्द शुरू करवाने के लिए रेल मंत्रालय के साथ निरंतर संपर्क में हैं। इसके साथ ही शहर से इंडिगो एयरलाइंस की हवाई कनेक्टिविटी शुरू करने का प्रस्ताव भी अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि भावनगर से दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों तक सीधी हवाई सेवा शुरू होने से व्यापार, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलेगा। सांसद बांभणिया ने कहा कि भावनगर और बोटाद जिलों का सर्वांगीण विकास उनका लक्ष्य है, और वे स्थानीय उद्योग, मछुआरा समुदाय, कृषि व छोटे व्यवसायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मंत्र 'आत्मनिर्भर भारत' केवल एक नारा नहीं बल्कि व्यवहारिक नीति है, और इसी दिशा में हर योजना को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है।

नववर्ष स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश के कृषि मंत्री जीतू वाघाणी, शहर भाजपा अध्यक्ष कुमार शाह, पूर्व विधायक सेजलबेन पंड्या, नगर निगम की स्थायी समिति के चेयरमैन राजू राबड़िया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विकास योजनाओं की झलक प्रस्तुत की गई और कार्यकर्ताओं ने सांसद से क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं पर चर्चा भी की। नए साल के इस मौके पर बांभणिया ने जनता को विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में भावनगर प्रदेश का अग्रणी विकास मॉडल बनेगा, जहां हर नागरिक को तकनीकी सुविधाओं के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिलेगा।

पटाखों के विवाद ने ली युवक की जान, पालडी में नई साल की सुबह मचा कोहराम, 11 आरोपी गिरफ्तार

(जीएनएस)। अहमदाबाद। शहर के पालडी क्षेत्र में नए साल की खुशियों के बीच उस समय मातम छा गया जब पटाखा फोड़ने को लेकर हुए झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया और एक युवक की जान चली गई। यह घटना 22 अक्टूबर की सुबह करीब साढ़े पांच बजे व्रज प्लाजा नामक इमारत में हुई, जहां कुछ युवक अपनी दुकान के सामने पटाखे फोड़ रहे थे। मामूली दिखने वाला यह विवाद कुछ ही मिनटों में खूनखराबे में बदल गया।

मृतक रौनक प्रजापति अपने मौसी के बेटे सागर प्रजापति की दुकान के आगे अपने साथियों अंकुर सैन, मेहुल राठौड़, अंकित राणा, तुषार भावसार और किशन प्रजापति के साथ नए साल की सुबह का जश्न मना रहा था। सब मिलकर पटाखे फोड़ रहे थे, तभी ऊपर पहली मंज़िल पर रेडिमेड कपड़ों की दुकान चलाने वाले नरेन्द्र सिंह राजपुरोहित नीचे आए और कहा कि पटाखे दूर जाकर फोड़ो, क्योंकि चिंगारी ऊपर तक पहुंचकर दुकान के आगे बिछे कारपेट में आग लगा सकती है। इस बात को लेकर रौनक और नरेन्द्र सिंह के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता गया।

कुछ ही देर में झगड़ा मारपीट में बदल गया। पुलिस के अनुसार, नरेन्द्र सिंह के भाई अर्जुन सिंह राजपुरोहित के मित्र महेश भाटी ने सबसे पहले हाथ उठा दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में लात-घूंसे चलने लगे। तभी नरेन्द्र सिंह दुकान के अंदर गया और वहां से लोहे का सरिया लेकर बाहर आया। गुस्से में उसने रौनक के सिर पर जोरदार वार कर दिया। रौनक ज़मीन पर गिर पड़ा और खून से लथपथ हो गया। सागर प्रजापति ने जब बीच में आने की कोशिश की तो उस पर भी हमला किया गया।

घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को फोन किया और घायल रौनक को एसवीपी अस्पताल पहुंचाया गया। कई घंटे तक चले इलाज के बावजूद शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। रौनक की मौत की खबर मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई सागर प्रजापति की शिकायत पर मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

पालडी थाने के प्रभारी पुलिस निरीक्षक के.एम. भुवा ने बताया कि रौनक की मौत के बाद अब इस मामले में हत्या की धारा जोड़ी गई है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस केस में सभी 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अर्जुन सिंह राजपुरोहित (25), उसका भाई नरेन्द्र सिंह राजपुरोहित (30), गोपाल सिंह राजपुरोहित (26), श्रीपाल सिंह राजपुरोहित (25), रणछोड़ देवासी (21), नवीन देवासी (19), विकास राजपुरोहित (24), महेश भाटी (27), लक्ष्मण चौधरी (28), जितेंद्र खटीक (26) और मुकेश सिंह राजपुरोहित (25) शामिल हैं।

सभी आरोपी मूल रूप से राजस्थान के पाली, बाली और सिरोही जिलों के विभिन्न गांवों के रहने वाले हैं और फिलहाल अहमदाबाद के पालडी व वस्त्राल इलाकों में रहते थे। पुलिस के अनुसार, यह पूरा झगड़ा एक क्षणिक आवेश में हुआ, लेकिन इसमें इस्तेमाल हुए लोहे के सरिए ने विवाद को हत्या में बदल दिया। अब पुलिस ने हत्या की धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी है और घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद करने के लिए भी छापेमारी की जा रही है। मृतक रौनक के परिजनों का कहना है कि अगर समय पर पुलिस मौके पर पहुंच जाती तो रौनक की जान बच सकती थी। उन्होंने आरोपियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। वहीं, इलाके में इस घटना के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने।

नए साल के दिन जब शहर में लोग उत्सव मना रहे थे, उसी समय पालडी का यह इलाका एक ऐसी दर्दनाक घटना का गवाह बना जिसने सभी को झकझोर दिया। पटाखों की कुछ चिंगारियां न सिर्फ कपड़ों की दुकान तक पहुंचीं, बल्कि दो परिवारों के जीवन को भी जला गईं।

नितिन गडकरी के कार्यक्रम में 2 महिला अधिकारियों में झगड़ा,सोफे पर बैठने के लिए विवाद, एक ने दूसरी को कोहनी मारी-चिकोटी काटी

(जीएनएस)। नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में शनिवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यक्रम में महिला अधिकारियों के बीच झगड़े का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा गया कि रोजगार मेले के दौरान डाक विभाग की एक महिला अधिकारी दूसरी को कोहनी से धक्का मार रही है और चिकोटी भी काटी जा रही है।

बताया जा रहा है कि दोनों अधिकारियों के बीच पोस्टमास्टर जनरल (PMG) के पद को लेकर विवाद चल रहा है। पोस्टमास्टर जनरल शोभा मधले (नारंगी साड़ी) का 8 सितंबर को कर्नाटक घरवाड़ में ट्रांसफर हो गया। नई नियुक्ति तक नागपुर का चार्ज नवी मुंबई की पोस्टमास्टर जनरल सुचिता जोशी (ग्रे साड़ी) को दिया गया। मधले ने ट्रांसफर ऑर्डर के खिलाफ कोर्ट जाकर ट्रांसफर पर स्टे ले लिया। इसलिए मधले और जोशी के बीच विवाद चल रहा है। यही झगड़ा रोजगार मेले में भी देखने को मिला। रोजगार मेले में जब दोनों अधिकारी एक ही सोफे पर बैठी थीं,

तो उनके बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा शुरू हो गया। मधले (ऑरेंज साड़ी) ने जोशी (ग्रे साड़ी) के हाथ को धक्का दिया, जिससे सोफे पर पानी गिर गया। आरोप है कि मधले ने जोशी के बाएं हाथ पर चिकोटी भी काटी और कोहनी से धक्के भी दिए। केंद्रीय मंत्री गडकरी के सामने हुई इस अशोभनीय हरकत का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों महिला अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की जा रही है।